Session – 16-18 | 17-18 | SSA-13-15

# डिप्लोमा–इन–एलिमेन्ट्री एजुकेशन (दूरस्थ शिक्षा) कार्यक्रम

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

| प्रदत प्रश्न (Assignment Question) |
|---|
| चतुर्थ सत्र का विषय पत्र – S4.4 : हिन्दी का शिक्षणशास्त्र – 2 |

दिशा निर्देश:

- प्रत्येक खण्ड से कोई एक–एक प्रश्न का चयन करें । लगभग 400–500 शब्दों में उत्तर लिखें ।
- प्रदत्त प्रश्न के उत्तर में निम्नलिखित बिन्दुओं को शामिल किए जाने की अपेक्षा है। 1. डी0एल0एड0 (ओ0डी0एल0) की स्वाध्याय समाग्रियों के अध्ययन से बनी समझ । 2. प्राथमिक विद्यालय के पाठ्य पुस्तकों के अध्ययन–अध्यापन से बनी समझ । 3. अध्ययन केन्द्र पर साधनसेवियों व सहप्रशिक्षुओं के साथ हुई चर्चा से बनी समझ । 4. अपने विद्यालय व कक्षा–कक्ष की विभिन्न गतिविधियों को करने से बनी समझ ।
- अध्ययन केन्द्र पर जैसे ही किसी इकाई की चर्चा समाप्त होती है तो उससे सम्बन्धित प्रदत्त प्रश्न का उत्तर प्रशिक्षुओं से प्राप्त कर साधनसेवी तुंरत समीक्षा हेतु जमा कर लेंगे । कितने प्रशिक्षुओं ने निम्नलिखित प्रदत्त प्रश्न का उत्तर जमा कराया, इसका रिकार्ड प्रत्येक साधनसेवी द्वारा रखा जाना अनिवार्य होगा जिसकी जाँच समय–समय पर की जाएगी ।

| प्रश्नों की संख्या : 6 | प्रदत प्रश्न | अधिकतम अंक:–20 |
|---|---|---|

| प्रश्नों की संख्या | खण्ड –1 | अंक:–03 |
|---|---|---|
| 1.A. | प्रारंभिक स्तर के किसी एक कक्षा के हिन्दी पाठ्यपुस्तक को लेकर उसमें से कम से कम तीन अध्यायों का उदाहरण देते हुए समझाएँ कि उनके शिक्षण में व्यवहारवादी उपागम को कैसे शामिल किया जा सकता है ? | |
| | अथवा | |
| 1.B. | प्रारंभिक स्तर के कक्षा 4 के हिन्दी पाठ्यपुस्तक को लेकर उसमें से कम से कम दो अध्यायों का उदाहरण देते हुए समझाएँ कि उनके शिक्षण में आलोचनात्मक उपागम को कैसे शामिल किया जा सकता है ? | |
| प्रश्नों की संख्या | खण्ड–2 | अंक:–04 |
| 2.A. | प्रारंभिक स्तर के किसी एक कक्षा की हिन्दी पाठ्यपुस्तक को लें तथा यह विश्लेषण करें कि उसमें किस–किस तरह के साहित्य शामिल हैं और उससे उस कक्षा के बच्चों के भाषा विकास में क्या मदद मिलेगा ? | |
| | अथवा | |
| 2.B. | अपने विद्यालय के किसी कक्षा के विद्यार्थियों को अपने मन से कोई कहानी हिन्दी में लिखने को कहें ? उनसे प्राप्त कहानियों का विश्लेषण 'हिन्दी का शिक्षणशास्त्र–2' की स्वाध्याय सामग्री के इकाई–2 में उल्लेखित बिन्दुओं के आलोक में करें ? | |
| प्रश्नों की संख्या | खण्ड–3 | अंक:–03 |
| 3.A. | अपने विद्यालय के कक्षा–5 के बच्चों को एक ऐसी कहानी मौखिक तौर पर सुनाइये जो पाठ्यपुस्तकों में नहीं है । फिर उनसे कहें कि सुनी हुई कहानी को अपने शब्दों में लिखें । अलग–अलग बच्चों में उस कहानी को जिस तरह से लिखा, उसका विश्लेषण करें । | |
| | अथवा | |
| 3.B. | अपने विद्यालय के किसी कक्षा के बच्चों को एक कहानी पहले पढ़ने को दें फिर कहानी के अलग–अलग हिस्सों को अलग–अलग बच्चों द्वारा मौखिक रूप से बिना पढ़े सुनाने को कहें । इस गतिविधि के दौरान जो हुआ उसपर विश्लेषणात्मक टिप्पणी लिखें । | |

| प्रश्नों की संख्या | खण्ड –4 | अंक:–04 |
|---|---|---|
| 4.A. | अपने स्कूल के बच्चे–बच्चियों से बाल साहित्य के अन्तर्गत शामिल की जा सकनेवाली कुछ कहानी का कविताएँ लिखने को कहें । बच्चों ने जो लिखा उसका विश्लेषण करें । | |
| | अथवा | |
| 4.B. | किसी मासिक कक्षा साहित्य पत्रिका के साथ 2018 के जनवरी, फरवरी या मार्च अंक का विश्लेषण करें कि उसमें क्या–क्या दिया गया है तथा यह बच्चों के लिए कैसे उपयोगी है ? आपने जिस पत्रिका और उसके जिस माह के अंक को लिया है उसे अपने उत्तर की शुरूआत में जरूर लिखें | |
| प्रश्नों की संख्या | खण्ड–5 | अंक:–03 |
| 5.A. | प्रारंभिक स्तर के वर्ग 4 एवं वर्ग 5 की कक्षाओं के हिन्दी की पाठ्यपुस्तकों को लेकर यह विश्लेषण कि उसमें किस–किस प्रकार के साहित्य शामिल हैं और उन साहित्यों को रखने के पीछे क्या उद्देश्य हैं ? | |
| | अथवा | |
| 5.B. | हिन्दी साहित्य के इतिहास का संक्षिप्त परिचय दें । | |
| प्रश्नों की संख्या | खण्ड–6 | अंक:–02 |
| 6.A. | हिन्दी साहित्य के शिक्षण में बहुभाषिकता की क्या भूमिका है ? प्रारंभिक स्तर के पाठ्यपुस्तकों के कुछ अध्यायों का उदाहरण देते हुए समझाएँ कि उनके शिक्षण में बहुभाषिकता किस तरह से मददगार है ? | |
| | अथवा | |
| 6.B. | अपने स्कूल के 5 वीं कक्षा के विद्यार्थियों की पठन क्षमता का आकलन करने के लिए आय पाठ्यपुस्तक से अलग किस सामग्री या किन तरीकों का उपयोग करेंगे ? | |